बृहस्पतिवार
14 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4
स्ट्रेस बढ़ा रहा है सिरदर्द की परेशानी, कम उम्र वालों को ज्यादा खतरा, जानें कारण

पृष्ठ 5
शिल्पा शेट्टी की सुखी 22 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 217
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

अपने को संकट में डाल कर कार्य संपन्न करने वालों की विजय होती है, कायरों की नहीं।
– जवाहरलाल नेहरू

कामयाबी: सात हजार करोड़ के एमओयू साइन

❑सीएम धामी ने दिल्ली में कर्टेन रेजर का किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिसंबर माह में राजधानी दून में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों में जुटी राज्य की सरकार ने आज देश की राजधानी दिल्ली में इस मेगा इवेंट के लिए कर्टेन रेजर सेरेमनी से इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अब उत्तराखंड की तस्वीर बदल रही है उन्होंने उद्योगपतियों से कहा कि आईये और उत्तराखंड में बेझिझक निवेश कीजिए।

उन्होंने कहा कि समिट से पहले मुझे आपका जो सहयोग मिल रहा है वह मेरे लिए अत्यंत ही उत्साहवर्धक है। उन्होंने बताया कि तमाम बड़े औद्योगिक घरानों द्वारा उत्तराखंड में निवेश करने में रूचि दिखाई गई है। आज तीन कंपनियों ने राज्य में 7 हजार करोड़ निवेश के लिए एमओयू साइन किया है। जिन कंपनियों ने आज कर्टेन रेजर सेरेमनी से पूर्व साइन किया है उनमें आईटीसी ने 4 हजार पांच सौ करोड़, महिंद्रा ने 1 हजार करोड़ और ई कुबेर ने 1600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर साइन किया है। मुख्यमंत्री धामी ने

❑उद्योगपतियों से की उत्तराखंड में निवेश की अपील
❑तीन देशों और देश के छह शहरों में किए जाएंगे रोड शो

कहा कि उन्होंने इस समिट के जरिए 2.5 लाख करोड़ के निवेश मिलने का लक्ष्य रखा गया है तथा समिट से 25 हजार करोड़ के निवेश के मिलने की संभावना है लेकिन आप लोगों का उत्साह देखकर मुझे लग रहा है कि हमें समिट से पहले ही 50 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके होंगे।

इस अवसर पर कर्टेन रेंजर सेरेमनी से पहले मुख्यमंत्री धामी ने देश के तमाम उद्यमियों के साथ होटल ताज में एक बैठक भी की तथा उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार द्वारा अपनी औद्योगिक नीति में उद्यमियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लाई गई पहली सर्विस पॉलिसी के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि उत्तराखंड में निवेश के लिए यह एक बेहतर मौका है। उन्होंने उद्यमियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार निवेश के हितों का पूरा ध्यान रखेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य गठन के पहले और बाद की स्थितियों में आए बदलाव के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में तेजी से विकास हो रहा है उन्होंने इस अवसर पर अपनी सरकार के कामों की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में पर्यटकों की किस कदर आवाजाही रहती है। उन्होंने कहा कि इस साल तमाम मानसूनी दिक्कतों के बीच भी 40 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धाम यात्रा पर पहुंच चुके है। उल्लेखनीय है कि 8-9 दिसंबर को दून में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पूर्व तीन देशों और देश के 6 बड़े शहरों में मेगा रोड शो आयोजित किए जाएंगे। जिसमें वह सीएम खुद भी शामिल होंगे।

बद्रीनाथ मंदिर के सिंह द्वार में आई दरार का ट्रीटमेंट जरूरी

❑एएसआई का सुझाव, 5 करोड़ खर्च होंगे

विशेष संवाददाता

चमोली। बद्रीनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार में आई दरारों को लेकर भले ही ए एस आई और अन्य संस्थाओं के लोगों के मतों में भारी भिन्नता दिखती हो और सरकार भी चाहे इन दरारों को मामूली मान रही हो लेकिन ए एस आई द्वारा उनकी मरम्मत के काम को लेकर असंतुष्टि जाहिर करते हुए इसके उचित ट्रीटमेंट का सुझाव सरकार को दिया है जिसमें 5 करोड़ रुपए खर्च आने की बात कही गई है।

उल्लेखनीय है कि अभी कुछ हफ्ते पूर्व बद्रीनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार जिसे सिंह द्वारा कहा जाता है, में दरार आने की बात सामने आई थी जिस पर संज्ञान लेते हुए इसके ट्रीटमेंट का काम शुरू हुआ था। मंदिर के प्रवेश द्वार में आई इन दरारों के मामले को जोशीमठ जो बद्रीनाथ से महज 40 किलोमीटर की दूरी पर है, पर हुई बड़ी भू धसांव की घटना से जोड़कर देखे जाने के कारण भी गंभीरता से लिया गया है। इसका सर्वे करने गई टीम ने हालांकि इस बात से इनकार किया था कि इसका कोई संबंध जोशीमठ की भू धसाव की घटना से है। ए एस आई की टीम का कहना है कि बारिश और अन्य पर्यावरणीय बदलावों के कारण यह दरारें आई है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया था कि जोशीमठ की भू संरचना और बद्रीनाथ की भू संरचना में बड़ा अंतर है। लेकिन इस ऐतिहासिक धरोहर की हिफाजत और संरक्षण के लिहाज से इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसके ट्रीटमेंट के लिए लोहे के क्लिप के इस्तेमाल को अनुचित बताते हुए इसके प्रॉपर ट्रीटमेंट की बात भी कही गई थी और इसकी दीवारों के पुराने पत्थरों को बदलने का सुझाव दिया गया है।

उधर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का कहना है कि यह कोई विशेष समस्या नहीं है तथा इस पर हमारी नजर है। पहाड़ में इस तरह की दरारें आने की घटनाएं सामान्य है और अगर कुछ गड़बड़ दिखेगी तो उसका ट्रीटमेंट किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बद्रीनाथ क्षेत्र में 20 भूस्खलन और 17 भू धसांव क्षेत्र (जोन) चिन्हित किए गए हैं।

तीस से ज्यादा स्कूली बच्चों से भरी नाव पलटी, 14 बच्चे लापता!

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में बच्चों को स्कूल लेकर जा रही नाव पलट गयी है। जिसके बाद 14 बच्चे लापता हैं। नाव पर 30 से ज्यादा बच्चे सवार थे। घटना गायघाट थाना क्षेत्र का है। हादसा बागमती नदी में हुआ है। बताया जा रहा है भटगामा मधुरपट्टी के पीपल घाट से बच्चे जब स्कूल जा रहे थे तब हादसा हुआ है। हादसे के बाद स्थानीय गोताखोर बच्चों को निकालने में लगे हैं। उन्होंने कई बच्चों को बाहर निकाला है लेकिन अभी भी कई बच्चे लापता बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि नदी में बच्चों को बचाने गया एक

युवक भी लापता है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना था कि घटना के करीब एक घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं बचाव के लिए भी रेस्क्यू टीम भी समय पर नहीं पहुंची। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह सालों से नदी पर पुल बनाने की मांग सरकार से कर रहे हैं लेकिन उनकी मांगों को नहीं माना गया और ये हादसा हुआ है। वहीं नाव पर बच्चों के साथ कुछ महिलाओं के भी सवार होने की बात कही जा रही है। समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू का कार्य जारी था।

सनातन संस्कारों को समाप्त करना चाहता है विपक्षी गठबंधन: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में इंडी गठबंधन जिसे कुछ लोग घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं वे श्सनातन धर्म को मिटाना चाहते हैं, जिसने स्वामी विवेकानंद और लोकमान्य तिलक को प्रेरणा दी। यह इंडी गठबंधन श्सनातन धर्म को नष्ट करना चाहता है। आज वे खुलेआम सनातन को निशाना बनाना शुरू कर दिया है, कल को ये हम पर हमले बढ़ा देंगे। देश भर के सभी सनातनियों और हमारे देश से प्यार करने वाले लोगों को सतर्क रहना होगा। हमें ऐसे लोगों को रोकना होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने मप्र के सागर जिले के बीना में कहा कि एक तरफ आज का भारत दुनिया को जोड़ने का सामर्थ्य दिखा रहा है। वहीं दूसरी तरफ

ऐसे दल भी हैं जो देश-समाज, भारत को विभाजित करने पर तुले हैं। इन लोगों ने इंडी एलायंस बनाया हैं। कुछ लोग इसे घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं। नेता तय नहीं है नतृत्व तय नहीं है। मुंबई की मीटिंग में उन्होंने आगे ये घमंडिया गठबंध न कैसे काम करेगा। इसके नीति बना दी, हिडन एजेंडा बना दिया है।

पीएम मोदी ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इंडी एलायंस की नीति है कि देश पर हमला करने की। विपक्षी गठबंधन की है कि भारत पर हमला करो। संस्कृति और विचारों पर हमला करो। भारत को जिस परंपरा, सभ्यता ने हजारों वर्षों से जोड़ा है, उसे तबाह कर दो। जिस सनातन संस्कृति से रानी लक्ष्मीबाई, देवी अहिल्याबाई होल्कर और जिस सनातन से महात्मा गांधी ने प्रेरणा ली, जिस सनातन से उनके अंतिम शब्द श्हे रामश् निकले, उसी सनातन को ये घमंडिया गठबंधन नष्ट करने पर तुला है।

पीएम ने सनातन को लेकर विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस देश के कोटी-कोटी जनों को प्यार करने वालों को सतर्क रहने की जरूरत है। सनातन को मिटाकर ये देश को फिर एक हजार साल की गुलामी में धकेलना चाहते हैं। लेकिन हमें मिलकर ऐसी ताकतों को रोकना है।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह राजनीति का कौन रंग रे

भले ही देश के लोग यह देखकर हैरान और परेशान हो कि इस देश की राजनीति किस दिशा में जा रही है लेकिन अगर एक लाइन में इसे समझा जाए तो यह मुद्दा विहीन राजनीति का दौर है जो प्रतीकात्मक शब्दों और प्रचार के जरिए सत्ता के लिए की जाने वाली राजनीति है। भारत और इंडिया तथा सनातन जैसे शब्दों से छिड़ा महाभारत इसका एक उदाहरण है। आत्मनिर्भर भारत की बात और अच्छे दिन लाने की बात भले ही शुगुफेबाजी हो लेकिन राजनीति के कितने मारक हथियार हैं यह किसी से छुपा नहीं है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो देश के लोगों को बार-बार यह समझाते दिखते हैं कि मुफ्त की रेवड़िया बांटने वालों से सावधान रहें। वह खुद और उनकी सरकार किस-किस रूप में देश की जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांट रहे हैं इसका हिसाब किताब लगाया जाना मुश्किल है। कोरोना काल में देश के लोगों को मुफ्त राशन देकर जो आपातकालीन इमदाद दी गई थी वह अभी भी जारी है तथा आने वाले चुनाव तक जारी रहेगी इसकी पुख्ता व्यवस्था केंद्र सरकार कर चुकी है मुफ्त खोरी की आदी बनने वाली जनता को भी यह समझने की जरूरत नहीं है कि जब मुफ्त की खैरात मिलना बंद हो जाएगी तब वह क्या खाएगी? 2016 में केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देकर धुएं के कारण खाना बनाने में होने वाली परेशानियों से मुक्ति दिलाकर खूब वाह वाही लूटी गई थी इस योजना के तहत लगभग 9.5 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए थे जिनके बारे में बाद में पता चला कि यह गरीब परिवार फिर भी खाना चूल्हे पर ही बना रहे हैं क्योंकि हजार-ग्यारह सौ का सिलेंडर खरीद पाना उनके बस की बात नहीं है सरकार हालांकि उन्हें 200 रूपये की सब्सिडी भी दे रही थी लेकिन फिर भी सिलेंडर खरीदना उनकी सामर्थ्य से बाहर था। सरकार ने अभी रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रूपये कम कर दिए तो उज्जवला कनेक्शन लेने वालों को 400 रूपये सस्ता सिलेंडर हो गया लेकिन अभी भी वह 700 रूपये का सिलेंडर नहीं खरीद पा रहे हैं। इस बीच अब केंद्र सरकार की कैबिनेट में फैसला लिया गया है कि वह 75 लाख और उज्ज्वला कनेक्शन फ्री देने जा रही है जिससे देश में उज्जवला लाभार्थियों की संख्या 10 करोड़ 35 लाख के करीब हो जाएगी सवाल यह है कि क्या यह सब काम वह चाहे मुफ्त का राशन हो या फ्री गैस कनेक्शन मुफ्त की रेवड़ियों की श्रेणी में नहीं आते हैं यह तो उदाहरण भर है। अभी चुनाव आने में बहुत समय बाकी है। अभी न जाने और कितने ऐसे मुद्दे तलाश लिए जाएंगे जो सीधे सिटीजन और गरीब कल्याण की भावना से जुड़े होंगे या फिर यह कहा जाये कि वोट की राजनीति से जुड़े होंगे। अभी बहुत सारी ऐसी घोषणाएं होंगी जो देश के किसी विशेष वर्ग को सीधे कैश बेनिफिट होने की गारंटी होगी। अभी बहुत सारे ऐसे शब्द चर्चाओं के केंद्र में होंगे जिन पर भारत तथा इंडिया अथवा सनातन पर छिड़ी बहस जैसी स्थिति देखने को मिलेगी। दरअसल राष्ट्रभक्त, देश द्रोह, मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम हिंदी-उर्दू और एक देश एक कानून तथा एक देश एक चुनाव जैसे तमाम ऐसे मुद्दों पर राजनीति के पुरोधा तलवारे ताने मैदान में खड़े हैं। देश की जनता को कैसे गुमराह करना है कैसे महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी तथा गरीबों के मुद्दे और शिक्षा तथा कानून व्यवस्था जैसी असल समस्या से उनका ध्यान भटकाना है इसकी पूरी व्यवस्था की जा रही है। रही बात देश की राजनीति की दिशा और दशा की तो आम आदमी इसकी असलियत न पहले जान सका था और न अब जान सकता है।

एमडीडीए सचिव पर कार्यवाही ना होने पर फूंका प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला

संवाददाता

देहरादून। एमडीडीए सचिव पर कोई कार्यवाही ना होने पर हिन्दू जागरण मंच ने शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला फूंका।

आज यहां हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता लैसडाउन चौक पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला फूंका। उनका कहना था कि एमडीडीए कालोनी डालनवाला में अवैध रूप से संचालित मस्जिद परिसर को सील करने के आदेश जिलाधिकारी देहरादून द्वारा दिए गये थे जिसको रविवार के दिन अविधिक तौर पर एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया द्वारा दरकिनार कर मस्जिद संचालक को एक सप्ताह का समय दे दिया गया था। इसके बाद भी उसके विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस विषय को लेकर 5 अगस्त से हो रहे आंदोलन के बाद भी संबंधित अधिकारी पर कोई कार्यवाही ना होना यह दिखाता है कि उत्तराखण्ड में ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को किस स्तर तक संरक्षण प्राप्त है। यह विषय सिर्फ एक अधिकारी को हटाने का नहीं है बल्कि उत्तराखण्ड अतिक्रमण के रूप मे हो रहे लैंड जिहाद पर कार्यवाही को किस प्रकार भ्रष्ट अधिकारी धनोपार्जन का अवसर बना रहे है यक उससे भी जुडा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनो हिन्दू जागरण मंच द्वारा पांच अगस्त को एमडीडीए सचिव का पुतला फूंका, 19 अगस्त को पूरे प्रदेश में उत्तराखण्ड शासन का पुतला फूंका, 25 अगस्त को सचिवालय का घेराव किया तथा तीन सितम्बर को पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का पुतला दहन किया गया जिसकी प्रतिक्रिया सिर्फ प्रदेश में ही नहीं पूरे देश में की गयी। उन्होंने कहा कि हिन्दू जागरण मंच घोषणा करता है कि यदि 19 सितम्बर तक एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया को निलम्बित नहीं किया गया तो 20 सितम्बर को मुख्यमंत्री का घेराव किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जब तक अवैध मस्जिद सील नही होती और एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया को निलम्बित नहीं किया जाता उनका आंदोलन चलता रहेगा।

पुतला फूंकने वालों में विकास वर्मा, मुकेद आनंद मारकंडे पंत, अखण्ड प्रताप सिंह, आनंद पाण्डे आदि लोग शामिल थे।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर चौकी प्रभारी जगतसिंह ने लकडघाट के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 10 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शुभम कुमार पुत्र वेगराज निवासी नजीबाबाद बताया।

साइबर ठगों ने उडाये साढे तीन लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। हैडलिंग चार्ज वापस मांगने के चक्कर में गंवाये साढे तीन लाख रूपये पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी खालसा मोहब्बेवाला निवासी त्रिलोक सिंह बिष्ट ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने पीएनबी एकाउंट में पैसे जमा कराये जिसमें पीएनबी वालों ने हैडलिंग चार्ज के रूप में पैसे काट लिये थे। जबकि एसबीआई वाले नहीं काटते है। उसने पीएनबी के कॉल सेंटर का नेट में सर्च किया तो उसको कस्टमर केयर का नम्बर मिला। जिसमें कॉल करने पर एक आदमी ने रिपलाई किया । उसने अपना नाम अरविन्द कुमार और पर्सनल नम्बर बताया जिसके बाद उसने उससे पीएनबी द्वारा हैडलिंग चार्ज कटौती के बारे में बताया। उसने कहा कि उसका कटा हुआ पैसा वापस मिल जायेगा। उसने कहा कि अपने मोबाइलमें एक एप डाउनलोड करो जिससे उसका कटा पैसा वापस हो जायेगा। उसने एप डाउनलोड किया तो उसने उसका मोबाइल नम्बर पूठा और उसके कहने पर लॉक खोल दिया। उसने कहा कि जब वह कहेगा तभी अगली कार्यवाही करना तब तक बैठे रहो। वह चुपचाप बैठ गया। जिसके बाद उसके खाते से साढे तीन लाख रूपये निकल गये।

पिता का मित्र बनकर ठगे 97 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। पिता का मित्र बनकर 97 लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला हास्टल में रहने वाली अनुष्का ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 अगस्त को उसको एक फोन कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपना नाम अनिल शर्मा बताते हुए कहा कि वह उसके पिता का मित्र है तथा उसने उसके पिता को 25 हजार रूपये देने है वह उसको फोन पे पर देना चाहता है। जिसके बाद उसने उससे पिन नम्बर व अन्य जानकारियां ली। जिसके बाद उसके खाते से चार बार में 97 हजार रूपये निकल गये। जिसके बाद उसने अपने पिता को फोन किया तो उन्होंने उसको बताया कि अनिल शर्मा नाम से उनको कोई मित्र नहीं है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अस्मा उषास आतिरन्त यामिन्द्राय नक्तमूर्म्याः सुवाचः।
अस्मा आपो मातरः सप्त तस्थुर्नृभ्यस्तराय सिन्धवः सुपाराः॥
(ऋग्वेद ८-९६-१)

प्रभु ही उषाऐ प्रकट करता है। उषाकाल प्रभु की उपासना के लिए उपयुक्त होता है जिसमें एकाग्रता अधिक होती है। रात्रि का अंतिम पहर वेदवाणियो के उच्चारण के लिए उपयुक्त होता है। सात मातृ गतियां पांच महाभूत, मन और प्राणिक ऊर्जाएं प्रकृति के नियम के अनुसार अपने कार्य में लगे रहते हैं। ज्ञान की नदियां मनुष्य को उसके जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होती है।

केन्द्रीय विद्यालय बीरपुर में हिन्दी दिवस पखवाड़ा का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय विद्यालय बीरपुर में 15 दिवसीय हिन्दी पखवाडे को हर्षोल्लास के साथ शुभारम्भ किया गया।

आज से केंद्रीय विद्यालय बीरपुर में 15 दिवसीय हिन्दी पखवाड़े का बड़े हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ किया गया। दीप प्रज्ज्वल के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि समाजसेवी योगेश अग्रवाल एवं विशिष्ट अथिति राजभाषा अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक विश्वनाथ ने कहा आज विश्व में भारतीय राजभाषा हिंदी का डंका बज रहा है और इसका जीता जागता उदाहरण जी 20 सम्मेलन है जहाँ पूरे समय हिंदी का बोलबाला रहा। इस अवसर पर सेवानिवृत प्राचार्य रोशन लाल ने कहा हिंदी के माध्यम से बच्चों में संस्कारों की नींव सुदृढ़ कर इस विषय को पढ़ाया जाना चाहिये। शुभारंभ अवसर पर सृष्टि द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तथा

अतिथियों के स्वागत में छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या बसंती खम्पा द्वारा अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी हमें वर्षभर अपनानी चाहिये तभी हमें इससे लगाव होगा और इसके शब्द कोष से हम परिचित हो पाएंगे।

स्वगतोपरांत छात्रा वैष्नवी द्वारा मध ुर स्वर में हिन्दी गीत गाया गया। अवनि व शुभ्रांश द्वारा युगल अभिनय प्रस्तुत किया गया, शिक्षक जितेन्द्र डिमरी द्वारा हिन्दी पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अपनी स्वरचित रचना हर जन्म में प्रभु हमें शिक्षक ही बनाना से शिक्षक के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्रों ने हिंदी भाषा की महत्ता बताते हुए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य बसंती खम्पा, उप प्राचार्य मनीषा मखीजा, आरती उनियाल, सीमा श्रीवास्तव, कादिर राना, प्रगति रावत, मीना चौहान, भानु प्रिया, डी एम लखेड़ा, विनय कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहे।

समिति ने की पीएम से नेताजी की मृत्यु की तिथि घोषित करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने प्रधानमंत्री से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु की तिथि घोषित करने की मांग की। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने जनहित में मांग की है कि आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु की तिथि घोषित कराएं। लोग उनकी जयंती 23 जनवरी को मनाते हैं लेकिन पुण्यतिथि की तारीख घोषित न होने के कारण वह अपने प्रिय नेता की पुण्यतिथि नहीं मना पाते है। नेताजी संघर्ष समिति आग्रह करती है कि शीघ्र अति शीघ्र नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि की तिथि घोषित की जाये। देशवासी सदैव नेताजी सुभाष चंद्र बोस के ऋणी रहेंगे क्योंकि उनके अथक प्रयासों से अंग्रेजों से मुक्ति मिली तथा उनके बलिदान से देश आजाद हुआ। समिति चाहती है कि उक्त कार्रवाई से समिति को भी अवगत कराया जाये। ज्ञापन देने वालों में समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, सुशील विरमानी, आदि उपस्थित रहे।

फोन लूटकर फरार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने फोन लूट के मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश रोड निवासी दीपक कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से डोईवाला रेलवे स्टेशन गया था। वह रेलवे स्टेशन के बाहर फोन पर बात कर रहा था तभी एक युवक वहां पर आया और उसके हाथ पर झपटा मारकर उसका मोबाइल फोन लूटकर वहां से फरार हो गया।

दो मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर निवासी फरमान अहमद ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं टर्नर रोड निवासी इकबाल कुरैशी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह निरंजनपुर मंडी के पास स्थित मस्जिद में गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल मस्जिद के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अस्पताल में चिकित्सक व स्टाफ से गाली गलौच करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। कोरोनेशन अस्पताल में चिकित्सक व स्टाफ के साथ गाली गलौच करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरोनेशन अस्पताल में काम करने वाले गौरव कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कोरोनेशन अस्पताल में इंटरन के रुप मे कार्यरत है तथा रात्रि की डयूटी कर रहे थे तो डा. गोरंग जोशी के साथ एक निशांत तिवारी नामक व्यक्ति शराब के नशे में आया और अस्पताल में मौजूद सभी स्टाफ के साथ काम को लेकर रोक-टोक करने लगा। जब इसका विरोध वहाँ मौजूद स्टाफ के द्वारा किया गया तो उक्त व्यक्ति निशांत तिवारी, स्टाफ के साथ गाली गलौज करने लगा व जान से मारने की धमकी देने लगा, और कहने लगा की तुम लोगो में से जो भी व्यक्ति बाहर निकलेगा वह उस पर जानलेवा हमला कराऊंगा और एक-एक को जान से मार दूंगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

युवाओं को अवसाद से उबारें सरकारें

क्षमा शर्मा

विश्व श्रम संगठन का हाल ही में एक सर्वे आया है। इसमें 112 देशों के बारह हजार युवाओं को शामिल किया गया। इनकी उम्र अठारह वर्ष से उनतीस वर्ष तक थी। ये युवा शिक्षित भी थे और इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले भी। इस सर्वेक्षण का विषय था-युवा और कोविड-19, नौकरियों, शिक्षा, अधिकार और मानसिक स्थिति पर प्रभाव।

इन युवाओं में लगभग एक-तिहाई इस बात से परेशान थे कि आने वाले दिनों में उनका भविष्य और करिअर कैसा होगा। जिस तरह से दुनियाभर में आर्थिक गतिविधियां मंद पड़ी हैं, बड़ी संख्या में नौकरियां जा रही हैं, इस कारण वे अपने भविष्य को लेकर बहुत चिंतित और अनिश्चितता से भरे दिखे। सर्वे का कहना था कि अगर सरकारों ने युवाओं की इस अनिश्चितता को जल्दी ही दूर नहीं किया तो युवाओं की ये हालत सभी के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह भी है कि इन कारणों से बड़ी संख्या में युवा अवसाद के शिकार हो रहे हैं। बताया गया कि दो में से एक युवा अवसाद का शिकार हो रहा है। यानी कि युवाओं की कुल आबादी का पचास प्रतिशत अवसाद से जूझ रहा है। यह आबादी बहुत बड़ी है। इनमें से सत्रह प्रतिशत बेहद गम्भीर संकट में हैं। वे सीखने और रोजगार में पड़े व्यवधान से बेहद परेशान हैं। जिनके ये काम रुक गए हैं, उन्हें अवसाद और गहरी चिंता के कारण तरह-तरह की परेशानियों के बहुत खतरे हैं। उनका इस तरह की परेशानियों में चले जाने का खतरा उनसे दोगुना है, जिनकी शिक्षा कोरोना के कारण बाधित नहीं हुई या जिनके रोजगार खत्म नहीं हुए हैं क्योंकि शिक्षा, रोजगार मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी हैं।

पता चला कि हर छह में से एक युवा की नौकरी इस दौर में चली गई है। जिन क्षेत्रों में इस महामारी के कारण रोजगार

पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, वे हैं- सेवा और क्रय-विक्रय के तमाम क्षेत्र। तिहत्तर प्रतिशत जो युवा पढ़ रहे थे, उनमें से बहुत से साथ में नौकरी भी कर रहे थे। वे ऑनलाइन शिक्षा से ठीक से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। गरीब देश में ऐसे छात्रों का प्रतिशत ज्यादा है, जहां ऑनलाइन शिक्षा की ठीक से पहुंच नहीं है। जहां डिजिटल सुविधाएं अभी नहीं पहुंची हैं। इसीलिए बहुत से युवा ठीक से पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। कुल 51 प्रतिशत मानते हैं कि इस महामारी के कारण उनकी शिक्षा पूरी करने में देरी होगी। नौ प्रतिशत को लगता था कि हो सकता है कि उनकी शिक्षा अधूरी ही रह जाए या वे असफल हो जाएं। पांच में से दो युवाओं ने कहा कि इस दौर में उनकी आय भी घट गई है। यह प्रभाव भी गरीब देशों में अधिक देखा गया। यह भी देखा गया कि इस दौर में अपनी तमाम परेशानियों के बावजूद, लगभग 25 प्रतिशत युवाओं ने किसी न किसी सामाजिक और सेवा के काम में भाग लिया। जरूरतमंदों की मदद की। इसके लिए इनकी तारीफ की जानी चाहिए। आईएलओ ने अपने निष्कर्ष में कहा कि जरूरी है कि कोरोना महामारी से निपटने और खत्म करने के प्रयास सरकारों को युद्धस्तर पर करने होंगे। युवाओं की आवाज को सरकारें सुनें और उनकी मदद करें।

भारत में युवाओं की संख्या पैंसठ प्रतिशत है। सभी राजनीतिक दल इन युवाओं को लुभाने की तरह-तरह की कोशिशें में लगे रहते हैं। उन्हें ही देश की असली शक्ति बताया जाता रहा है। अब उनमें से बहुत से अवसाद का शिकार हो रहे हैं। कई स्थानों से रोजगार न होने या रोजगार चले जाने के कारण युवाओं द्वारा आत्महत्या की खबरें भी आ रही हैं। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि युवा ठीक से खाएं और भरपूर नींद लें तो अवसाद से दूर रह सकते हैं।

मगर सवाल तो यही है कि अगर रोजगार चले गए हैं, शिक्षा पूरी नहीं हो पा रही तो इन्हें नींद ठीक से आएगी भी कैसे। भूख-प्यास, नींद, आराम, यहां तक कि खुशी भी तो हमारी शिक्षा और उससे मिलने वाले रोजगार से जुड़ी होती है।

हाल ही में भारत के बारे में भी जीओक्यूआईआई ने भी एक अध्ययन किया था। उसमें जो आंकड़े आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। इसमें बताया गया था कि लॉकडाउन के दौरान भारत के 43 प्रतिशत लोग अवसाद के शिकार हुए हैं। उनकी जीवनशैली बिगड़ रही है। ये संख्या बेहद चिंतित करने वाली है। जिन दस हजार लोगों ने इस अध्ययन में भाग लिया था, उनमें से 57 प्रतिशत ने बताया कि वे हमेशा थकान महसूस करते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि युवक कम व्यायाम कर रहे हैं। आखिर करेंगे भी कैसे जब वे हमेशा थकान महसूस करते हैं। अवसाद का हमारे स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ता है। इसके अलावा उनका रुझान बाहर के खाने की तरफ भी अधिक था। अवसाद के शिकार लोगों को सलाह दी जा रही है कि अगर वे दुखी हैं, अकेलापन महसूस कर रहे हैं तो वे अपने दोस्तों से बातें करें। परिवार के सदस्यों के साथ मिलजुलकर रहें। अगर इन बातों से नहीं लड़ पा रहे हैं, तो डाक्टर की मदद जरूर लें। डाक्टर जो दवाएं दें, उन्हें बताए अनुसार समय पर लें। यदि दवाओं का ठीक असर न हो रहा हो, तो डाक्टर को बताएं, जिससे कि वे दवाएं बदल सकें। जिन माताओं ने हाल ही में शिशुओं को जन्म दिया है, उन्हें अवसाद से बचाना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका असर न केवल उन पर बल्कि उनके नवजात शिशुओं पर भी पड़ सकता है।

साइटिका के दर्द से राहत दिलाएंगे योगासन

आजकल हमारी बदलती जीवनशैली में कई तरह की शारीरिक परेशानियां घेरने लगी हैं। साइटिका का दर्द भी इनमें से एक है। सायटिका में पैर में असहनीय दर्द होता है। इसमें मरीज को चलने में भी परेशानी होती है। दरअसल, साइटिका एक नर्व है। जब इसमें सूजन या खिंचाव होता है, तो दर्द शुरू हो जाता है। इसी को सायटिका का दर्द कहा जाता है। इस दर्द को दूर करने के लिए कई तरह के योग आसन बताए गए हैं। इनकी मदद से साइटिका के दर्द को दूर किया जा सकता है।

भुजंगासन: इस आसन को कोबरा पोज भी कहा जाता है। यह आसन साइटिका के दर्द को दूर करने के अलावा पेट की चर्बी को भी कम करता है। इसे करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं। अपने दोनों पैरों के बीच दूरी कम रखें और गहरी सांस लेते हुए अपने ऊपरी शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। आपकी कोहनी इस दौरान शरीर के साथ सीधी रेखा में होनी चाहिए। पैरों को इस तरह स्ट्रेच करें कि आपको अधिक खिंचाव महसूस न हो। इसके अलावा अपने सिर को जितना हो सके ऊपर की तरफ उठाएं। इसे 3 से 4 बार करें।

अपानासन योग: इस आसन की शुरुआत करने के लिए समतल जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं। इसके बाद अपने दोनों पैरों को घुटनो से मोड़ लें। फिर धीरे से सांस छोड़ते हुए दोनों घुटनो को छाती की ओर लाने का प्रयास करें। इसके बाद अपने दोनों हाथो से घुटनो को पकड़ लें। मगर ध्यान रखें कि आपके कंधे जमीन पर ही टिके हुए हों। कुछ देर इसी स्थिति में रहें। फिर गहरी सांस लेते हुए सामान्य अवस्था में आ जाएं।

अधोमुख श्वान आसन: इस आसन को करने के लिए पहले दोनों हाथ और घुटनों के बल जमीन पर लेट जाएं। इसके बाद सांस खींचते हुए अपने पैरों और हाथों के बल शरीर को उठाएं और टेबल जैसी आकृति बनाएं। अब शरीर के पिछले हिस्से को ऊपर की ओर उठाइए। इसके साथ-साथ अपने दोनों घुटनों और हाथों को भी सीधा कर लें। इस आसन के अभ्यास के दौरान कंधे और हाथ एक सीध में रहने चाहिए। पैर हिप्स की सीध में रखें। ध्यान रखें कि आपके दोनों हाथ की हाथेलियां फैली हुई हों। अब कुछ देर तक इसी अवस्था में रहें।

सुप्त पादांगुष्ठासन: यह आसन साइटिका की समस्या में बहुत आराम देता है। इसे करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों पैरों को फैला कर लेट जाएं। अब अपने एक पैर को उठाएं। इसके बाद एक ऐसा कपड़ा लें, जो लंबाई में काफी बड़ा हो। इसके बाद इस कपड़े को अपने पैर के पंजे में डाल कर हाथो में अच्छे से पकड़ लें। अपने पैर को धीरे-धीरे स्ट्रेच करें। अब अपने घुटने को बिना मोड़े ही पैर को अपने सिर की ओर लाने का प्रयास करें। कुछ देर तक इसी अवस्था में रहें।

चेहरे पर फाउंडेशन सही तरीके से कैसे लगाएं?

मेकअप एक आर्ट है और इसे कभी भी जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। फाउंडेशन चेहरे का बेस होता है और इस बेस मेकअप पर दूसरे कई और प्रोडक्ट अप्लाई किए जाते हैं। ऐसे में अगर बेस सही नहीं होगा तो इसके ऊपर लगा सारा मेकअप भद्दा नजर आएगा। अगर आप प्रोफेशनल लुक चाहती हैं तो आपको लिक्विड फाउंडेशन लगाने के तरीके के साथ यह भी जानना होगा कि फाउंडेशन लगाने से पहले और बाद में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

इन स्टेप्स को फॉलो करते हुए लगाएं लिक्विड फाउंडेशन, चेहरा दिखेगा बेहद खूबसूरत

सबसे पहले स्किन मॉश्चराइज करें:

फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे को धो ले और उसे मॉश्चराइज करें। अगर आपकी स्किन ऑयली हो तो ऑयल फ्री मॉश्चराइजर का यूज करें। मॉश्चराइजिंग हर स्किन के लिए जरूरी है और सबसे जरूरी स्टेप है।

प्राइमर को कभी न करें नजर अंदाज:

मॉश्चराइज करने के बाद स्किन मेकअप के लिए तैयार हो जाती है। अब फाउंडेशन लगाने से पहले दूसरा सबसे जरूरी काम है स्किन पर प्राइमर लगाना। प्राइमर मटर के दाने के बराबर लेकर इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छे से लगाएं। प्राइमर स्किन को फाउंडेशन के लिए तैयार करती है और इसे लगाने से फाउंडेशन आसानी से एक समान स्किन पर लगता है। एक तरह से प्राइमर पटरी की तरह होता है, जिस पर फाउंडेशन नुमा रेल चलती है। प्राइमर न लगाया जाए तो इससे फाउंडेशन का बैलेंस बिगड़ने का खतरा रहेगा। ये कहीं कम तो कहीं ज्यादा लग जाएगा।

स्किन कैरेक्टर का करें यूज:

प्राइमर के बाद बारी आती है स्किन कैरेक्टर की। अगर आपकी स्किन पर दाग-धब्बे हैं या स्किन का कलर कहीं गहरा तो कहीं हल्का है, तब इसे लगाना चाहिए। अगर स्किन पर दाग हैं तो आपको ग्रीन कलर कैरेक्टर लगाना चाहिए और अगर स्किन पर डार्कनेस है तो पिंक कलर कैरेक्टर लगाएं। इसे प्रभावित स्किन पर लगाएं और थपथपाते हुए स्किन में मिलाएं। याद रखें इसे रगड़ें नहीं।

अब इस तरह से लगाएं फाउंडेशन:

कैरेक्टर के बाद बारी आती है फाउंडेशन की। लिक्विड फाउंडेशन को पहले अपने हाथ में लें और इसके बाद इसे डॉट-डॉट कर पूरे चेहरे पर लगाएं। अब एक ब्रश से फाउंडेशन को अच्छी तरह पूरी स्किन पर फैला लें। अब एक ब्यूटी ब्लैंडर को हल्का गीला करें और अच्छी तरह पानी निचोड़ कर उसे स्किन पर थपथपाएं। याद रखें इसे रगड़ने या फैलाने का काम न करें। इससे फाउंडेशन हट जाएगा। इसे केवल थपथपाते हुए पूरे चेहरे पर ब्लैंड करें। इससे फाउंडेशन अच्छी तरह स्किन में मिक्स हो जाएगा। (आरएनएस)

शिशु को ग्राइप वॉटर देना कितना सुरक्षित है?

छोटे बच्चे रोकर ही अपनी बात कहते हैं। बच्चे की भाषा को मां से बेहतर और कोई नहीं समझ सकता है। वैसे तो बच्चे का रोना सामान्य बात है। पेट भरा होने पर भी शिशु दांत आने या कोलिक की स्थिति में बहुत ज्यादा रो सकता है।

कोलिक बेबी कई घंटों तक लगातार रो सकता है और कभी पेट दर्द या अन्य किसी वजह से बच्चा रोता है। बच्चे को आराम देने के लिए ग्राइप वॉटर पर विश्वास किया जाता है। आइए जानते हैं कि शिशु को दिए जाने वाला ग्राइप वॉटर कितना सुरक्षित है।

क्या होता है ग्राइप वॉटर

शिशु में कोलिक के लक्षणों से राहत दिलाने के लिए डॉक्टर के पर्चे के बिना कई प्रोडक्ट मिलते हैं। आपको इनमें से वही विकल्प चुनना चाहिए जो सुरक्षित हो। ग्राइप वॉटर लिक्विड रूप में आता है और यह एक हर्बल उपाय है। इसमें सौंफ, अदरक, कैमोमाइल, मुलेठी, दालचीनी और लेमन बाम होता है।

गैस होने पर पेट दर्द की वजह से बच्चे ज्यादा रोते हैं। कुछ बच्चे दिन में लगातार कई घंटों तक रोते हैं तो कुछ में यह समस्या कई सप्ताह तक देखी जा सकती है। चूंकि, जड़ी-बूटियां पाचन में मदद करती हैं इसलिए ग्राइप वॉटर का इस्तेमाल कोलिक से राहत पाने के लिए किया जा सकता है। दांत आने पर दर्द होने और हिचकी के लिए भी ग्राइप वॉटर का इस्तेमाल किया जाता है।

क्या शिशु के लिए ग्राइप वॉटर सुरक्षित है

कई तरह के ग्राइप वॉटर होते हैं। शुगर और एल्कोहल युक्त ग्राइप वॉटर भी आता है। बहुत ज्यादा शुगर की वजह से दांतों में कीड़ा लग सकता है और इससे शिशु के दूध पीने में भी बदलाव आ सकता है।

आप ऐसे ग्राइप वॉटर को चुनें जो शिशु के लिए सुरक्षित हों। पैकेट पर लिखी गई सामग्रियों को अच्छी तरह से पढ़ने के बाद ही खरीदें। आप सोडियम बायोकार्बोनेट और पुदीना युक्त ग्राइप वॉटर भी दे सकते हैं।

सोडियम बायोकार्बोनेट या बेकिंग सोडा डॉक्टर की सलाह के बिना कोलिक बेबी को नहीं देना चाहिए। इससे शिशु के पेट में पीएच लेवल पर असर पड़ सकता है और शिशु में कोलिक के लक्षण गंभीर हो सकते हैं। पुदीना युक्त ग्राइप वॉटर शिशु में रिफलक्स के लक्षणों को बढ़ा सकता है। ग्लूटेन, डेयरी, पैराबींस और वेजिटेबल कार्बन युक्त ग्राइप वॉटर देने से भी बचना चाहिए।(आरएनएस)

स्ट्रेस बढ़ा रहा है सिरदर्द की परेशानी, कम उम्र वालों को ज्यादा खतरा, जानें कारण

एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, भारत में सिरदर्द की समस्या तेजी से बढ़ रही है। कोरोना महामारी का सबसे बुरा प्रभाव लोगों की मेंटल हेल्थ पर पड़ा है। तनाव और स्ट्रेस के मामले बढ़े हैं। हाल में आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना से भारत बुरी तरह प्रभावित रहा है। इस वजह से देश में सिरदर्द के मामले काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। सिरदर्द का सीधा संबंध स्ट्रेस लेवल से जोड़ा जा रहा है। आइए जानते हैं स्टडी रिपोर्ट॥

सिरदर्द को लेकर क्या कहता है रिसर्च

देश की एक प्रमुख दवा कंपनी ने बढ़ते सिरदर्द को लेकर एक रिसर्च किया है। इसके मुताबिक, 20 शहरों के 22 से 45 साल की उम्र वाले 5,310 से ज्यादा लोगों का इंटरव्यू लिया गया। इसमें 93 प्रतिशत में सिरदर्द की समस्या कोरोना के बाद काफी बढ़ा है। सिरदर्द की वजह तनाव लेवल से जुड़ा हुआ है। इस रिपोर्ट से पता चला है कि तनाव के चलते लोग तनावग्रस्त हो रहे हैं और उनमें सिरदर्द की शिकायत बढ़ रही है। इस रिसर्च में शामिल हर तीन में से एक ने महामारी के बाद खुद को ज्यादा तनावग्रस्त माना है।

तनाव का कारण क्या है

इस रिसर्च में काम करने वाले और काम न करने वाले दोनों तरह के लोगों को शामिल किया गया है। दोनों में तनाव के लिए आर्थिक समस्याएं और काम का दबाव सिरदर्द बढ़ाने में सबसे ऊपर रहा है। इसके अलावा हेल्थ प्रॉब्लम्स और पारिवारिक झगड़े भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। स्टडी रिपोर्ट बताती है कि तनाव को सही तरह से मैनेज करना चाहिए। कोरोना से पहले की तुलना में 26-35 और 36-45 उम्र वालों में ट्रेस लेवल 12त्न और 13त्न तक बढ़ गया है। 26-35 आयु वाले युवा सबसे ज्यादा तनाव में पाए गए हैं। उनका आंकड़ा 87त्न तक है।

सिरदर्द का सबसे बड़ा नुकसान

तनाव की वजह से सिरदर्द हो रहा है और इससे किसी काम में मन नहीं लग रहा है। करीब 40प्रति. पार्टिसिपेंट्स ने माना कि उन्हें काम पर फोकस करने में दिक्कत आ रही है। सिरदर्द में प्रोफेशनल से लेकर पर्सनल लाइफ तक प्रभावित हो रही है।

सिरदर्द के पीछे स्ट्रेस क्यों जिम्मेदार

तनाव के कारण सिरदर्द तब बढ़ता है, जब गर्दन और स्कैल्प की मांसपेशियां तनाव में आती हैं या सिकुड़ जाती हैं। मांसपेशियों में संकुचन तनाव, अवसाद, सिर की चोट या एंग्जायटी का कारण हो सकती है।

सिरदर्द से बचने के उपाय

* नियमित समय पर पौष्टिक आहार लें।

* किसी भी समय खाना न छोड़ें, खाली पेट गैस बन सकती है।

* ब्रेकफास्ट को भूलकर भी न छोड़ें।

* रोजाना एक्सरसाइज करें।

* पर्याप्त नींद लें, कैफीन और स्मोकिंग से बचें।

* डॉक्टर से पूछे बिना दर्द की दवा न खाएं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -041

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2				3		
				4	5			
6	7		8	10				9
	10				11	12	13	
14	14			15				
16			18		20			
17			18			19		24
	25				20		26	21
22					23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 40 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

अजय देवगन लेकर आ रहे दे दे प्यार दे 2, मिलाया लव रंजन से हाथ

अभिनेता अजय देवगन आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे। अब एक और फिल्म उनके खाते से जुड़ गई है।खबर है कि वह निर्देशक लव रंजन के साथ फिर काम करने जा रहे हैं। दोनों हिट फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल के लिए साथ आ रहे हैं।इस फिल्म के सीक्वल का दर्शक काफी समय से इंतजार कर रहे थे।आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, अजय दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू करने वाले हैं।लव और तरुण जैन ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर दी है।सीक्वल में 26 वर्षीय आयशा खुराना (रकुल प्रीत सिंह) और ५० साल के आशीष (अजय) के रिश्ते को लेकर आयशा के परिवार का पक्ष दिखाया जाएगा।फिल्म में दिखाया जाएगा कि उनके इस रिश्ते पर आयशा के परिवार की प्रतिक्रिया क्या होगी? भले ही फिल्म के लेखक पुराने ही हों, लेकिन निर्देशन की कमान इस बार अकिव अली नहीं संभालेंगे। खबर है कि फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा करेंगे, जो लव की पिछली फिल्मों सोनू के टीटू की स्वीटी और तू झूठी में मक्कार के क्रिएटिव डायरेक्टर रह चुके हैं।अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अजय निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन के बाद दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। प्यार उम्र देखकर नहीं होता, लेकिन हमउम्र होते हुए भी आपसी तालमेल और सोच में फर्क आ जाए तो रिश्ते में दरार आना तय है। कुछ ऐसी ही कहानी है दे दे प्यार दे की।इस फिल्म को लव ने भूषण कुमार और अंकुर गर्ग के साथ मिलकर बनाया था।५० करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 143 करोड़ रुपये की कमाई की थी।फिल्म २०१९ में रिलीज हुई थी। अजय पिछली बार फिल्म भोला में नजर आए थे। जल्द ही उन्हें फिल्म मैदान में देखा जाएगा। हालांकि, इसकी रिलीज तारीख में कई दफा बदलाव हो चुका है। अब खबर है कि यह सितंबर में रिलीज होगी।सिंघम अगेन में उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली हैं।विकास बहल की अगली फिल्म भी अजय के खाते से जुड़ी है, जिसमें उनके साथ आर माधवन नजर आएंगे।इसके अलावा अजय फिल्म रेड 2 भी लेकर आ रहे हैं। २०२३ में कई सफल फिल्मों के सीक्वल आए हैं। हाल ही में अक्षय कुमार ओह माय गॉड 2, सनी देओल गदर 2 और आयुष्मान खुराना ड्रीम गर्ल 2 लेकर आए। फिलहाल सलमान खान की फिल्म टाइगर की तीसरी किस्त टाइगर 3 का इंतजार है।

लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर पर अपूर्व अरोड़ा, एडवेंचर जंकी का किरदार निभाना चुनौतिपूर्ण काम था

इंटरैक्टिव फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर में सितारा के रूप में नजर आने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने अपने वास्तविक जीवन के व्यक्तित्व की एक झलक दी और ऋत्विक धनजानी के किरदार ध्रुव के साथ एक अप्रत्याशित संबंध का खुलासा किया। ऋत्विक और अपूर्व अभिनीत फिल्म लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर दर्शकों को कहानी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती है, जो उनकी पसंद के माध्यम से अपने कोर्स को आगे बढ़ाती है। ध्रुव और सितारा हमें सिंगापुर की आकर्षक सड़ों के माध्यम से खोज की यात्रा पर ले जाते हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अपूर्वा ने कहा- वास्तविक जीवन में, मैं ध्रुव की तरह हूं और ऋत्विक सितारा की तरह है, क्योंकि वह एड्रेनालाईन का दीवाना है, जो सीधे साहसिक गतिविधियों से शुरुआत करना चाहता है और यही सितारा की सबसे उपयुक्त परिभाषा है। जबकि, मैं एक ऐसी व्यक्ति हूं जो चीजों की योजना बनाना चाहती है, कम से कम उस दिशा में जहां मुझे जाना है, जो बिल्कुल ध्रुव की तरह है। ओएमजी फेम एक्ट्रेस ने कहा, मैं एडवेंचर की शौकीन नहीं हूं, लेकिन इसे करना एक बड़ा काम था। बंजी जंप और अन्य गतिविधियां करते समय मेरे पैर ठंडे हो गए थे। लॉस्ट एंड फाउंड इन सिंगापुर एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है।

पिंक ब्लेजर पहन पूजा हेगड़े ने कराया हॉट फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर तबाही मचा देती हैं। हाल ही में पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी सेक्सी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी किलर अंदाज में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही सुर्खियां बटोरने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को रिझाना शुरू कर दिया है। इन तस्वीरों में पूजा हेगड़े का बोल्ड लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। पूजा हेगड़े ने अपनी इन तस्वीरों में पिंक कलर की ब्लेजर पहनी हुई है, जिसमें वो हॉट लग रही हैं। वहीं दूसरी फोटो में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है।

एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देखकर एक बार फिर से फैंस के होश उड़ गए हैं। उनका ये लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल हो गया है। बताते चलें कि एक्ट्रेस पूजा हेगड़े जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। पूजा हेगड़े सोशल मीडिया लवर हैं, इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।(आरएनएस)

शिल्पा शेट्टी की सुखी 22 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी मौजूदा वक्त में अपनी आने वाली फिल्म सुखी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म 22 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म में शिल्पा, सुखी नाम की महिला का किरदार निभा रही हैं, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए परिवार को छोड़ दिल्ली के लिए उड़ान भरती है। 2 मिनट और 16 सेकंड के इस ट्रेलर में कहानी 38 साल की सुखप्रीत यानी 'सुखी' की जिंदगी को दिखाया है। सुखी यानी शिल्पा शेट्टी अपने परिवार की एक-एक जरूरत का ध्यान रखती है। बच्चों के स्कूल के लंच से लेकर ससुर के गोलियों तक सब कुछ सुखी करती है।

एक दिन वह अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से थक जाती है और अपने तरीके से अपनी जिंदगी को जीना का सोचती है और अपने परिवार को कुछ दिनों के लिए छोड़र दिल्ली आ पहुंचती है। जहां वो अपनी सभी सहेलियों से मिलती है। अब आगे की लाइफ में सुखी के साथ क्या होता है ये देखने के लिए 22 सितंबर को फिल्म देखनी होगी।

फिल्म सुखी में शिल्पा शेट्टी के अलावा एक्टर अमित साध, कुशा कपिला दिलनाज ईरानी, पवलीन गुजराल और चैतन्य चौधरी भी नजर आएंगे। सुखी भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा द्वारा निर्मित है। इसके अलावा सुखी का निर्देशन सोनल जोशी ने किया है और इसे जोशी, राधिका आनंद, पॉलोमी दत्ता और रूपिंदर इंद्रजीत ने लिखा है। ये फिल्म 22 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा इन दिनों अपनी मूवी को लेकर काफी एक्साइटेड है और प्रमोशन के लिए जुट गई हैं। मंगलवार को एक्ट्रेस शहनाज गिल के शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल में भी पहुंची थी। जहां दोनों ने खूब मस्ती की।

इस दौरान सेट पर जमकर भांगड़ा भी किया। दोनों एक्ट्रेसेज से लुक की बात करे तो शहनाज गिल मल्टी कलर स्लीवलेस क्रॉप टॉप और डेनिम पहनें नजर आ रही हैं। तो वहीं शिल्पा शेट्टी येलो कलर के आउटफिट दिखाई दी।

सैफ अली खान की फिल्म भूत पुलिस का आएगा सीक्वल

सैफ अली खान और अर्जुन कपूर की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस १० सितंबर, २०21 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।इसमें जैकलीन फर्नांडीज, यामी गौतम और जावेद जाफरी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।अब इस फिल्म को लेकर खबर आ रही है कि जल्द ही दर्शकों को भूत पुलिस का सीक्वल देखने को मिल सकता है। निर्माता भूत पुलिस के दूसरा भाग बनाने पर विचार कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूत पुलिस का सीक्वल पाइपलाइन में है।फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है। हालांकि, फिल्म के सीक्वल के कलाकारों और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है और जल्द ही अधिक आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है।भूत पुलिस के निर्माता अक्षय पुरी है। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया गया था।फिल्म की कहानी पवन कृपलानी, सुमित बठेजा और पूजा लाधा सुरति ने लिखी थी।

फिल्म की तो भूत पुलिस हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसकी कहानी भूतों को पकड़ने वाले भाइयों विभूति और चिरौंजी के इर्द-गिर्द घूमती है। ये किरदार सैफ और अर्जुन निभाते नजर आए थे।इस फिल्म को लगभग ४० करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया था।फिलहाल, अक्षय पुरी और उनका प्रोडक्शन हाउस करीना कपूर, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा अभिनीत जाने जान की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं।इसका निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने किया है।(आरएनएस)

भूमि पेडनेकर की फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग का ट्रेलर हुआ आउट!

फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग का ट्रेलर रिलीज हो गया है और ट्रेलर देख फैंस फिल्म देखने के लिए एक्साइटेड हो रहे है। फिल्म में भूमि पेडनेकर, शाहनाज , गिल, कुशा कपिला, डॉली सिंह और शिबानी बेदी के साथ लड़कियों की फौज धूम मचाने के लिए तैयार है। फिल्म में करण कुंद्रा और अनिल कपूर भी दिखाई देनो वाले हैं।

भूमि पेडनेकर स्टारर थैंक्यू फॉर कमिंग इसी साल 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- इस राजकुमारी की फेयरी टेल है सबसे हटके। सिनेमाघरों में थैंक्यू फॉर कमिंग देखना ना भूलें।

ट्रेलर को देखकर लगता है कि भूमि और उसकी गर्ल गैंग जिसमें शहनाज, डॉली और शिबानी हैं, वे भूमि की मुश्किल सेक्शुअल लाइफ को आगे बढ़ाने में उसकी मदद करती हैं। वहीं कुशा उनकी दुश्मन हैं जो उसका काफी मजाक उड़ाती है। ट्रेलर में करण कुंद्रा भा दिखाई दिए हैं और बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर भी नजर आ रहे हैं।

थैंक्यू फॉर कमिंग को रिया कपूर के हसबैंड करण बूलानी ने डायरक्ट किया है। खास बात ये है कि फिल्म का प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) २०23 में किया जाएगा। जो कि 7 सितंबर से 17 सितंबर तक दस दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा।

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म का प्रीमियर किए जाने पर रिया कपूर ने रिएक्ट किया है। उन्होंने लिखा- रोना और चिल्लाना और कूदना! हम टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल २०23 में ऑफिशियली चुने गए अपनी फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का प्रीमियर करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं! हमारे ग्रैंड प्रीमियर पर मिलते हैं! टीआईएफएफ में आने के लिए शुक्रिया।

सिर्फ बातों से तो नहीं हारेगी भाजपा

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की मुंबई बैठक में खूब बातें हुईं। ममता बनर्जी और इक्का दुक्का अन्य नेताओं को छोड़ कर सभी विपक्षी नेताओं ने खूब भाषण दिए। एनडीए और 'इंडिया' का फर्क दिखा। एनडीए की बैठक में सब कुछ नरेंद्र मोदी पर केंद्रित था जबकि 'इंडिया' की बैठक में फ्री फॉर ऑल था। प्रेस के सामने सबको बोलने का मौका मिला और जिसको जितनी देर तक बोलने का मन हुआ वह बोलता रहा। मीडिया के लोग भी उब गए थे भाषण सुन कर। हर भाषण में एक बात दोहराई गई कि 'भाजपा को हरा देंगे'। यह बात राहुल गांधी ने कही, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कही, नीतीश कुमार ने कही, लालू प्रसाद ने कही और अरविंद केजरीवाल ने भी कही। दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी अपनी अपनी तरह से इस बात को दोहराया। सबका यह कहना था कि अब हम एक साथ आ गए हैं तो भाजपा और नरेंद्र मोदी को हरा देंगे। राहुल गांधी ने इसका और विश्लेषण करते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन में जो पार्टियां शामिल हुई हैं वो देश के ६० फीसदी लोगों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसलिए विपक्षी गठबंधन जीत जाएगा।

यह देश के राजनीतिक परिदृश्य की अधूरी तस्वीर है और चुनाव की बेहद जटिल प्रक्रिया का सरलीकरण करना है। विपक्षी गठबंधन ६० फीसदी वोट का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। यह सही बात है कि भाजपा और उसके सहयोगियों को 41 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। लेकिन बाकी ६० फीसदी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को नहीं मिले हैं। विपक्षी गठबंधन को भी ४० फीसदी के करीब ही वोट मिले हैं। बाकी २० फीसदी वोट भाजपा के प्रति सद्भाव व समर्थन रखने वाली या तटस्थ रहने वाली पार्टियों को गए हैं या निर्दलीय उम्मीदवारों को गए हैं। विपक्ष का ४० फीसदी वोट भी तब बनता है, जब शिव सेना और जदयू का वोट जोड़ लेते हैं। ये दोनों पार्टियां पिछला चुनाव भाजपा के साथ तालमेल करके लड़ी थीं। अगर इन दोनों पार्टियों के वोट भाजपा के साथ जोड़ें तो उसका प्रतिशत 45 पहुंचता है और विपक्ष का 35 रह जाता है। सो, राहुल गांधी की ओर से उस २० फीसदी वोट का दावा करने का कोई मतलब नहीं है, जिसका बड़ा हिस्सा बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस, अन्ना डीएमके, बहुजन समाज पार्टी, तेलुगू देशम जैसी पार्टियों को गया। ये पार्टियां अब भी अलग चुनाव लड़ेंगी। पिछले चुनाव में अकेले सवा फीसदी वोट हासिल करने वाली के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति भी अलग चुनाव लड़ रही है।

सो, आंकड़ों को अपने हिसाब से तोड़-मरोड़ कर पेश करने या भाजपा को हरा देंग, मोदी को हरा देंगे की बातें दोहराने से भाजपा नहीं हारने वाली है। दूसरी अहम सचाई, जो विपक्षी पार्टियों को स्वीकार करनी चाहिए वह ये है कि भाजपा के साथ आमने सामने का मुकाबला बनाने यानी वन ऑन वन का चुनाव बनाने का नैरेटिव भी तथ्यात्मक रूप से अधूरा है। अव्वल तो विपक्षी पार्टियां सिर्फ उन्हीं राज्यों में आमने सामने का चुनाव करा पाएंगी, जहां एनडीए और 'इंडिया' की पार्टियों के अलावा दूसरी पार्टियां नहीं हैं। जहां दोनों गठबंधनों के अलावा दूसरी पार्टियां हैं वहां आमने सामने का मुकाबला नहीं बनेगा। विपक्षी पार्टियां ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों सहित कई और राज्यों में आमने सामने का मुकाबला नहीं बना पाएंगी।

मोटे तौर पर लोकसभा की 543 सीटों में से डेढ़ सौ सीटों पर आमने सामने का मुकाबला नहीं होगा। इन डेढ़ सौ सीटों में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की स्थिति शून्य वाली है। सो, इन सीटों में से कुछ खास नहीं हासिल होने वाला है। बची हुई चार सौ के करीब सीटों में से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात जैसे बड़े और हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे राज्य हैं, जहां भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला होगा। वहां गठबंधन की पार्टियों का कोई मतलब नहीं है। इनमें से लगभग सभी राज्यों में भाजपा को अकेले ५० फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिले हैं। इन राज्यों में लोकसभा की ११० सीटें हैं। इन सीटों को हटा दें तो २९० के करीब सीटें बचती हैं, जिन पर कांग्रेस और प्रादेशिक पार्टियां मिल कर आमने सामने का मुकाबला बनवाएंगी।

यह हकीकत है कि विपक्षी नेताओं की भाजपा को हराने की सदिच्छा तभी पूरी होगी, जब भाजपा का वोट कम होगा। अगर भाजपा अपना वोट बचाए रखने में कामयाब होती है तो विपक्ष कितना भी मजबूत गठबंधन बना ले वह भाजपा को नहीं हरा पाएगा। यह इसलिए होगा क्योंकि भाजपा का वोट एक निश्चित क्षेत्र में कंसोलिडेटेड है, जबकि विपक्ष का वोट पूरे देश में फैला है। दूसरे, जहां विपक्षी पार्टियां या उनका गठबंधन मजबूत है वहां भाजपा पहले से कमजोर है, जैसे तमिलनाडु, केरल। तीसरे, भाजपा जहां कमजोर हैं वहां ऐसी पार्टियां मजबूत हैं, जो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा नहीं हैं, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना। इन पांच राज्यों की 122 में से भाजपा के पास सिर्फ 12 सीटें हैं। सो, इन राज्यों के नतीजे किसी के पक्ष में जाएं भाजपा की वास्तविक संख्या पर असर नहीं होने वाला है। इन राज्यों में भाजपा का वोट प्रतिशत भी बहुत कम है।

इसलिए अगर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को अगले चुनाव में भाजपा को हराना है तो उसे यह देखना होगा कि वह कांग्रेस से सीधे मुकाबले वाले राज्यों- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा को कितना नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और दिल्ली में, जहां प्रादेशिक पार्टियां मजबूत हैं वहां भाजपा को कितना नुकसान पहुंचाया जा सकता है। भाजपा की ताकत इन्हीं 15 राज्यों में से है। असली लड़ाई इन्हीं 15 राज्यों में होने वाली है। भाजपा को पता है कि इन राज्यों में उसे कैसे लड़ना है। उसका एजेंडा क्या है, नैरेटिव क्या है, प्रचार की रणनीति क्या है और चुनाव की जमीनी तैयारी क्या है। विपक्षी पार्टियों को इसे समझते हुए इन 15 राज्यों की अपनी रणनीति बनानी होगी।

तमाम बड़े राजनीतिक विश्लेषक बार बार कह रहे हैं कि विपक्षी पार्टियां आपसी मतभेद दूर करें और एकजुट होकर लड़ें तो भाजपा को हरा देंगे। इसी विश्लेषण से प्रभावित होकर विपक्षी नेताओं ने भी मुंबई में बार बार कहा कि पहले हम बिखरे हुए थे इसलिए हार गए और अब हम एकजुट हो गए हैं इसलिए जीत जाएंगे। असल में यह एक भ्रम है। भाजपा अकेले 37.36 फीसदी और सहयोगियों के साथ करीब 41 फीसदी वोट लेकर जीती है। वह विपक्ष के बिखरे होने की वजह से नहीं, बल्कि अपने वोट के दम पर जीती है। इसलिए विपक्षी पार्टियों के एकजुट हो जाने भर से वह नहीं हारेगी। वह हारेगी तभी जब उसका वोट कम होगा।

विपक्षी पार्टियों के नेताओं का दूसरा भ्रम भी मुंबई में उनके भाषण से जाहिर हुआ, जब उन्होंने कहा कि भाजपा को हराना है और लोकतंत्र व संघीय ढांचे को बचाना है। इस तरह की अमूर्त या सैद्धांतिक बातों से भाजपा का वोट नहीं कम होगा। भाजपा ऐसे अस्पष्ट एजेंडे के साथ चुनाव में नहीं उतरती है। उसका एजेंडा बहुत क्लीयर होता है। वह हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और नरेंद्र मोदी के वैश्विक मजबूत नेतृत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने जाएगी। विपक्षी पार्टियों को इसका जवाब देने के लिए बहुत मेहनत इसलिए करनी होगी क्योंकि आज तक के इतिहास में कोई भी सरकार तभी हारी है, जब उसके खिलाफ महंगाई और भ्रष्टाचार का बड़ा मुद्दा बना हो और जनता आंदोलित हुई हो। महंगाई, भ्रष्टाचार और अडानी की तमाम चर्चा के बावजूद इन मुद्दों पर जनता आंदोलित नहीं दिख रही है। ऐसे सपाट राजनीतिक हालात में जातीय, सामाजिक समीकरण काम आ सकता है। जाति गणना, सामाजिक न्याय, आरक्षण आदि के नैरेटिव के जरिए विपक्ष इस दिशा में काम कर रहा है। भाजपा के खिलाफ लड़ाई में विपक्ष का एकजुट होना पूरी रणनीति का सिर्फ एक हिस्सा है। रणनीति तभी सफल होगी, जब विपक्ष के पास एजेंडा होगा और वह लोकप्रिय विमर्श को अपने हिसाब से सेट करके भाजपा को उस पर लड़ने के लिए मजबूर करेगी। अगर चुनाव भाजपा के तय किए एजेंडे पर हुआ तो विपक्ष के लिए मुश्किल होगी।

सू- दोकू क्र. 041

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.40 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

उपाय क्यों कारगर नहीं?

ताजा आंकड़े बताते हैं कि खाद्य महंगाई पर काबू पाने में आंशिक राहत ही मिली है। जुलाई में भारत में खाद्य महंगाई 11.5 फीसदी रही। यह तीन साल में सबसे उच्चतम स्तर था।

भारत सरकार की आयात-निर्यात नीति में अस्थिरता से किसान या अन्य उत्पादक तबकों के लिए समस्याएं खड़ी होती हैं। हाल में जब प्याज का सवाल आया, तो आखिरकार सरकार को यह वादा करना पड़ा कि सरकार किसानों से प्याज की खरीदारी ऊंची कीमत पर करेगी, ताकि निर्यात रोकने के फैसले से उन्हें नुकसान नहीं होगा। बहरहाल, देखने की बात यह है कि जिस मकसद से खाद्य पदार्थों का निर्यात हाल में रोका गया है, क्या उसमें कामयाबी मिली है? भारत ने पहले गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी। अब गैर-बासमती और बासमती चावल के निर्यात पर भी कई तरह की रोक लगा दी गई है। लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि इन कदमों से खाद्य महंगाई पर काबू पाने में आंशिक राहत ही मिली है। जुलाई में भारत में खाद्य महंगाई 11.5 फीसदी रही। यह तीन साल में सबसे उच्चतम स्तर था। अध्ययनों के मुताबिक पिछले पांच साल में भारत में सामान्य खाने की थाली का दाम 65 फीसदी बढ़ा है, जबकि इस दौरान लोगों की कमाई सिर्फ 37 फीसदी बढ़ी है।

यानी खाने पर लोगों का खर्च काफी ज्यादा बढ़ गया है। इस संकट के कई कारण चर्चा में हैं। इस सिलसिले में अल नीनो के प्रभाव के चलते कमजोर होते मॉनसून, सरकार के भंडार में घटते अनाज, फ्री राशन स्कीम की जरूरतें आदि की चर्चा रही है। यूक्रेन युद्ध से बनी विश्व स्थितियों को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन खाद्य एवं अन्य महंगाई को बढ़ाए रखने में कारोबार पर एकाधिकार रखने वाली कंपनियों और विक्रताओं की क्या भूमिका है, यह सवाल भारत में हो रही चर्चा से गायब है। जबकि पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों ने इस भूमिका को प्रमुख कारण के रूप में सिद्ध कर दिया है। आईएमएफ ने भी यूरोप के संदर्भ में इस तथ्य को अपनी एक रिपोर्ट में स्वीकार किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर विरल आचार्य ने अपने हाल के शोध में भारत के संदर्भ में इस पहलू की भूमिका साबित कर दी है। मगर पक्ष हो या विपक्ष या फिर मेनस्ट्रीम मीडिया- इस बारे में उन्होंने चुप्पी साध रखी है। (आरएनएस)

ऑफ शोल्डर गाउन पहन मलाइका अरोड़ा दिखीं सुपरहॉट

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्ड फिगर से फैंस को हैरान कर देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टाइलिश आउटफिट में हॉट फोटोशूट करवाया है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं। बॉलीवुड के हैंडसम हंक एक्टर अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनकी हर एक फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का सेक्सी आउटफिट देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। मलाइका अरोड़ा ने व्हाइट कलर की ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। मिनिमल मेकअप, बालों का बन बनाकर और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

टिहरी में चार दिवसीय वॉटर स्पोर्ट्स कप प्रतियोगिता शुरू

विशेष संवाददाता

टिहरी। टिहरी झील में आयोजित होने वाली चार दिवसीय वॉटर स्पोर्ट्स कप प्रतियोगिता का शुभारंभ काबीना मंत्री सुबोध उनियाल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन टीएचडीसी द्वारा किया गया है। जिसमें देश-विदेश के अनेक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

❑काबीना मंत्री सुबोध उनियाल ने किया उद्घाटन

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए काबीना मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड में वॉटर स्पोर्ट्स और आइस स्पोर्ट्स की बेहतर सुविधाएं हैं तथा इस तरह के आयोजनों से खिलाड़ियों का उत्साहवध न होता है टिहरी झील में चलने वाली इन कयाकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिताओं में देश-विदेश से आए 497 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें 280 पुरुष और 217 महिला खिलाड़ी शामिल है। टिहरी झील में आयोजित किए जाने वाली इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर गोवा में होने वाले 31वीं ओपन अंतरराष्ट्रीय वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। इस अवसर पर काबीना मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अनेक योजनाएं चल रही है। जिसमें राज्य के खिलाड़ियों और खेलों को बढ़ावा मिल रहा है और अब वह राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को राज्य में अब पहले से बेहतर सुविधाएं प्रदान हो रही है।

महासू देवता जागर मेले में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस की बैठक

संवाददाता

देहरादून। हनोल में महासू देवता जागर मेले के लिए शांति व्यवस्था व यातायात को लेकर पुलिस ने टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मंथन किया। आज यहां 18 सितम्बर 2023 को हनोल में महासू देवता जागर मेले आयोजन होना है। उक्त मेले में यातायात व्यवस्था, शांति व्यवस्था तथा ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में थाना त्यूणी पुलिस द्वारा त्यूणी क्षेत्र में संचालित हो रहे टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों व टैक्सी चालकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा त्यूणी क्षेत्र से हनोल को जाने वाले टैक्सी किराए के संबंध में विचार विमर्श किया गया जिसमें। बैठक के बाद तय किया गया कि हनोल से त्यूणी तक का एक तरफ का किराया 50 तय किया गया तथा त्यूणी से हनोल तक की टैक्सी बुकिंग का 800 तय किया गया। चालको द्वारा जागर मेले के अवसर अपना पूर्ण सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया गया।

हिन्दी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने हिन्दी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया। आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के तत्वाध ान में कचहरी परिसर शहीद स्मारक में हिंदी दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी की अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल और संचालक प्रभात डेंड्रियाल ने किया। इस मौके पर परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि आज हम हिंदी दिवस तो मना रहे हैं लेकिन इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब हम अंग्रेजी भाषा का परित्याग करेंगे। अध्यक्षता करते हुए विपुल नौटियाल ने कहा कि हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जन जागरण अभियान चलाने की सख्त आवश्यकता है प्रभात डंडरियाल और राष्ट्रीय उत्तराखंड पार्टी के अध्यक्ष नवनीत गोसाई ने कहा कि अगर हम सच्चे भारतीय हैं तो हिंदी भाषा को महत्व देंगे तभी इस दिवस को मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी। गोष्ठी में नवनीत गोसाई, सुरेश कुमार, विपुल नौटियाल, बालेश बवानिया, धर्मानंद भट्ट, प्रभात डंडरियाल, विपुल नौटियाल, जगमोहन रावत, प्रवीण गोसाई, विनोद असवाल आदि शामिल रहे।

नकली फेसबुक आईडी बना अश्लील शब्दों का प्रयोग करने पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। युवती की नकली फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील शब्दों का प्रयोग करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोथरोवाला निवासी युवती ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फेसबुक पर सालू-सालू के नाम से उसका फेक अकाऊट बनाया गया है उसको ये बात अपने दोस्तो के जरिये पता चली और उसको कुछ महिनो से कॉल भी अलग- अलग नम्बर से आ रहे है जिससे उसको दिक्कत हो रही और उसके घर वालो को भी दिक्कत हो रही है क्योकि आइडी में जो नम्बर डाल रखे है इस पर उसकी फोटो पोस्ट कर रखी है जिसे उसको कॉल आती है और फिर गन्दी -गन्दी बाते बोलते है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डेंगू को लेकर दून में कांग्रेस ने किया सर्वे, अधिकांश जनता ने नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग को माना दोषी: दसौनी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा कि कांग्रेस ने शहर में सर्वे कराया था जिसमें अधिकांश जनता ने नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग को डेंगू फैलने का दोषी माना है।

आज यहां कांग्रेस भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए गरिमा दसौनी ने कहा कि प्रदेश में डेंगू के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर उत्तराखंड कांग्रेस के अध्यक्ष करन महारा के मार्ग दर्शन में कार्यकर्ताओं ने देहरादून जिला जो की डेंगू की मार से सबसे अधिक प्रभावित है उसमें सर्वे कराने का मन बनाया। मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी, परवादून अध्यक्ष मोहित उनियाल, महानगर अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर गोगी ने कार्यकर्ताओं की मदद से इस सर्वे को लगभग 400 लोगों के साथ किया। दून का गुनहगार कौन अभियान के तहत दून वासियों से यह जानने की कोशिश की गई कि वह आज शहर की बदहाल स्थिति के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं? इस अवसर पर दसौनी ने कहा कि आज देहरादून देश की डेंगू राजधानी बन चुका है, शहर के हर इलाके, मोहल्ले और कॉलोनी में हजारों की संख्या में डेंगू के केस रिपोर्ट हो रहे हैं।

दसौनी ने बताया की इस सर्वे में जनता के सम्मुख देहरादून स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, दून जिला प्रशासन, नगर निगम और उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग चार विकल्पों के रूप में दिए गए। जिसमें से 146 लोगों ने नगर निगम को ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया, दूसरे नंबर पर 87 लोगों ने स्वास्थ्य विभाग, तीसरे नंबर पर 60 लोगों द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और चौथे नंबर पर 29 लोगों द्वारा दून जिला प्रशासन को दोषी ठहराया कराया गया। कांग्रेस नेताओं ने इस सर्वे का डाटा साझा करते हुए कहा की देहरादून की जनता भाजपा सरकार की अव्यवस्थाओं से बहुत आक्रोशित और क्षुब्ध है। दसौनी ने कहा कि सर्वे करने वाले कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने इन 400 लोगों के साथ अपना नंबर भी साझा किया और ब्लड की कमी या प्लेटलेट की कमी होने पर संपर्क करने व भरसक मदद करने का वादा किया। दसौनी ने कहा कि भाजपा की तरह कांग्रेस फर्जी आंकड़े नहीं रखती, यह पूरा सर्वे फील्ड में किया गया है और कोई भी इसको क्रॉस चेक कर सकता है क्योंकि हर फॉर्म भरने वाले ने अपना फोन नंबर उसमें अंकित किया है। महानगर अध्यक्ष डा० जसविंदर गोगी ने कहा कि डेंगू ने शहर में भीषण महामारी का रूप ले लिया है। सरकार डेंगू से मौतों की संख्या छिपाने में लगी है।

दुस्साहस: घर जा रही युवती से बाइक सवारों ने की अभद्रता

हमारे संवाददाता

नैनीताल। घर जा रही युवती से कुछ युवकों द्वारा अभद्रता कर उसे बाइक में खींचने का प्रयास किया गया, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी है।

घटना हल्द्वानी क्षेत्रांतर्गत तिकोनिया चौराहे की है। जानकारी के अनुसार बीती रात एक युवती तिकोनिया चौराहे से कैनाल रोड होते हुए हीरा विहार कॉलोनी जा रही थी। बताया जा रहा है कि इस बीच दो युवक बाइक और स्कूटी से उस युवती का पीछा करने लगे। एक युवक ने युवती को जबरदस्ती बाइक पर खींचने की कोशिश की। हालांकि जब युवती का विरोध बढ़ा तो वे वहां से भाग गए। युवती ने इस बात की सूचना 112 पर भी दी गयी, लेकिन फोन नहीं उठा। इधर सूचना पर युवती के परिजन मौके पर पहुंचे।

समाजसेवी हेमंत गौनिया ने बताया कि उनके कार्यालय में युवती के परिजन और पुलिस सीसीटीवी की जांच करने आए थे। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं जिसमें आरोपी दिख रहे हैं। एसएसपी पंकज भट्ट ने कहा कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। भोटिया पड़ाव पुलिस चौकी से जानकारी मिली कि युवती की तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया गया है। जैसे ही ये मामला पुलिस के पास पहुंचा उसके बाद से पुलिस कंट्रोल रूम में सीसीटीवी से जांच शुरू कर दी गई। हालांकि अभी आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस का दावा है कि पूरे शहर के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम सफल बनाने को लेकर बैठक

संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा को सफल बनाने के लिए अधिकारियों की बैठक ले जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम को जनपद में आयोजन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने अपने कार्यालय कक्ष में रेखीय विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। 30 सितम्बर तक सभी ग्राम पंचायतों/वार्ड के प्रत्येक घर से मिट्टी अथवा चावल एकत्रित कर कलश में रखेगें, जिस हेतु उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारियों को रोस्टर बनाकर कल से ही कार्यक्रम आयोजित करने तथा कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने तथा स्थानीय परम्परा एवं लोक संस्कृति के तहत् आयोजित करने के निर्देश दिए।

आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री कमठान ने जानकारी देते हुए कहा कि 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान कार्यक्रम के आयोजन हेतु भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत एवं नगर निकाय में वार्ड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाने है। कार्यक्रम के तहत् ग्राम पंचायत/वार्ड के प्रत्येक घर से मिट्टी अथवा चावल एकत्र कर अमृत कलश में रखा जायेगा। मिट्टी और चावल एकत्र करते समय स्थानीय परम्परा के अनुसार ढोल, नगाड़े एवं अन्य वाद्य यंत्रों ध्वनि एवं स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मिट्टी एवं चावल के एकत्रीकरण के समय उपस्थित जन समूह को पंचप्रण शपथ दिलाई जाएगी। विकासखण्ड एवं नगर निकाय मुख्यालय स्तर पर वीरों के सम्मान को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी तथा एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केन्द्र, भारत स्काउट एण्ड गाईड, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य युवा स्वयंसेवियों द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया जायेगा, जिस हेतु उन्होंने सबन्धित अधि कारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला पंचायतराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ओझा सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

वियतनाम में 9 मंजिला इमारत में आग लगने से 56 लोगों की मौत

नई दिल्ली। वियतनाम की राजधानी हनोई में बुधवार की रात अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में करीब 56 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। फायर फाइटर्स ने करीब 70 लोगों को रेस्क्यू कर लिया। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बिल्डिंग में करीब 150 लोग रहते थे और आग लगने की वजह सामने नहीं आई है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि वियतनाम की राजधानी हनोई की जिस 9 मंजिला इमारत में आग लग गई, वो शहर के आवासीय क्षेत्र में एक तंग गली में मौजूद थी। सरकारी मीडिया कंपनी ने बताया कि इस घटना में जान गंवाने वाले 56 लोगों में से 39 की पहचान कर ली गई है। टीवी चैनल वीटीवी ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं। शुरुआत में मरने वालों की संख्या स्पष्ट नहीं थी क्योंकि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया था। बिल्डिंग एक श्ट्यूब हाउसश थी। एक पतली बिल्डिंग जो कई मंजिल ऊंची है। इसमें कई परिवार और छात्र रहते थे। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने इस जगह का दौरा किया, जहां घटना हुई और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, हमें आग की रोकथाम और फायर टेंडर्स में सुधार के लिए इस घटना को एक सबक के रूप में लेना चाहिए। पीएम ने कहा, नियमों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए ताकि हम इस तरह की त्रासदी से बच सकें।

सनातन धर्म पर बहस से बचें, मोदी सरकार के 'भ्रष्टाचार' पर बात करें: एमके स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्ताधारी डीएमके पार्टी के प्रमुख और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बीते बुधवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वो सनातन धर्म पर किसी भी प्रकार की बहस से बचने का प्रयास करें और भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की मोदी सरकार के भ्रष्टाचार पर हमला करें साथ ही जनता के बीच उस संबंध में चर्चा करें। मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने बयान में कहा, ष्प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले अपने कैबिनेट सहयोगियों को सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए कहा था, पीएम मोदी की इस बात से साफ है कि वह सनातन विवाद से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्रियों में से एक जानबूझकर सनातन को चर्चा का मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि लोगों का ध्यान असली मुद्दे से भटकाया जा सके। हमारे लोगों को भाजपा की चाल का शिकार नहीं होना है। हमें उनके किये भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात करनी चाहिए।ष् तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा, ष्भाजपा भ्रष्टाचार पर बहस को रोकना चाहती है और इसलिए वह सनातन धर्म पर ध्यान केंद्रित करके लोगों का ध्यान अपने द्वारा किये भ्रष्टाचार के मुद्दे से भटका रही है।

निपाह संक्रमण के मद्देनजर कोझिकोड के शैक्षिक संस्थानों में दो दिन का अवकाश

कोझिकोड। उत्तरी केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के संक्रमण के मद्देनजर सभी शैक्षिक संस्थानों में गुरुवार और शुक्रवार को अवकाश घोषित किया गया है। गौरतलब है कि केरल में निपाह के 5 केस सामने आ चुके हैं। 2 मरीजों की मौत हो चुकी है। अवकाश की घोषणा कोझिकोड की जिलाधिकारी ए गीता ने की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि छात्रों के लिए शैक्षिक संस्थान दो दिनों तक ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की परीक्षा सारणी में कोई परिवर्तन नहीं होगा। राज्य हाल में निपाह वायरस का संक्रमण फैल रहा है। बुधवार को 24 वर्षीय स्वास्थ्य कर्मी वायरस से संक्रमित पाया गया। यह केरल में संक्रमण का पांचवा मामला है।

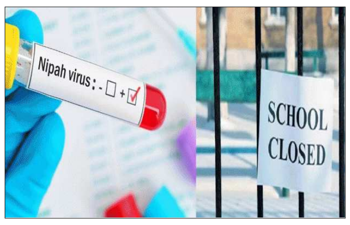

इस बीच, कोझिकोड में निपाह वायरस के संक्रमण को देखते हुए पड़ोसी जिले वायनाड में 24 घंटे का नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। वायनाड जिला प्रशासन ने 15 कोर समितियों का गठन किया है जो संक्रमण के रोकथाम एवं निगरानी गतिविधियों का नेतृत्व करते हुए आपातकालीन स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने का कार्य करेंगी। सरकार ने बताया कि राज्य में मिले वायरस का स्वरूप बांग्लादेश में मौजूद वायरस के स्वरूप से मिलता जुलता है जो मानव से मानव में फैलता है और इसकी मृत्यु दर अधिक है। हालांकि यह वायरस कम संक्रामक है।

गैंगस्टर राजा उर्फ इरफान की चल-अचल सम्पत्ति होगी कुर्क

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर निवासी गैंगस्टर राजा उर्फ इरफान की सम्पत्ति को अब पुलिस व प्रशासन द्वारा कुर्क किया जायेगा। इस बात के आदेश जिलाधिकारी हरिद्वार द्वारा जारी किये गये है। गैंगस्टर द्वारा यह सम्पत्ति शराब व मादक पदार्थो की तस्करी कर अर्जित की गयी थी। कुर्क होने वाली सम्पत्ति में एक भूखण्ड व बोलेरो वाहन शामिल है।

एसएसपी अजय सिंह द्वारा बेनामी सम्पत्ति जोड़ने वाले माफियाओं पर लगाम लगाकर समाज को सशक्त एवं सकारात्मक संदेश देने के सम्बन्ध में दिए गए निर्देश पर हरिद्वार पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही के सकारात्मक पहलु लगातार सामने आ रहे हैं।

❑जिलाधिकारी हरिद्वार द्वारा जारी किये गये कुर्की का आदेश
❑शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित की थी सम्पत्ति

ताजा मामला गैंगस्टर राजा उर्फ इरफान पुत्र अशरफ से जुड़ा है। गैंगस्टर राजा द्वारा अपने गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी से सम्पत्ति अर्जित कर अपनी पत्नी के नाम पर दादूपुर रुड़की में 1 प्लॉट खरीदा गया था तथा खुद के नाम पर एक वाहन (महेन्द्रा बोलेरो) लिया गया था। वर्तमान में राजा के खिलाफ आबकारी अधि नियम के तहत 18, एनडीपीएस एक्ट में 2 तथा अन्य भादवि में 1 मुकदमा दर्ज है।

गैंगस्टर राजा उर्फ इरफान एवं उसके गैंग के खिलाफ कोतवाली रानीपुर पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए धारा 14 उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए प्रेषित की गई रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी हरिद्वार द्वारा उक्त भूखण्ड एवं चारपहिया वाहन को कुर्क करने का आदेश जारी किये गये है। जिसके तहत तहसीलदार हरिद्वार को अचल सम्पत्ति का प्रशासक नियुक्त किया गया है। साथ ही चल सम्पत्ति वाहन (बोलेरो) को थाने दाखिल किए जाने हेतु प्रभारी निरीक्षक रानीपुर को नामित किया गया है।

नाबालिग को भगा ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग युवती को भगा ले जाने के मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने पोक्सो एक्ट तथा दुष्कर्म की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि नाबालिग को पुलिस पहले ही बरामद कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे चुकी है।

मामला गंगनहर कोतवाली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीती 17 जुलाई को गंगनहर निवासी एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि मेरी नाबालिक पुत्री को 12 जुलाई को किसी अज्ञात लड़के द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाया गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश के साथ ही युवती की बरामदगी के प्रयास शुरू किये गये। अथक प्रयासों के बाद पुलिस द्वारा अपहरत युवती को 18 जुलाई को बरामद कर लिया गया था। जिसे उसके परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया। जिसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस को बीती शाम सूचना मिली कि अपहर्त युवती को भगाने वाला आरोपी अभी पनियाला रोड़ मुर्गी फार्म तिराहा के पास खड़ा है जो कही जाने की फिराक में है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान से आरोपी बॉबी पुत्र सुभाष निवासी पीठ बाजार ज्वालापुर हरिद्वार को पोक्सो व दुष्कर्म की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजधानी के एसएसपी पद पर कल कार्यभार ग्रहण करेंगे अजय सिंह

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी के नए पुलिस कप्तान अजय सिंह कल दोपहर तक देहरादून पहुंचकर एसएसपी के पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

एसएसपी अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में नए कप्तान के रूप में उनके सामने यातायात व्यवस्था, कानून व्यवस्था सहित अन्य कई लक्ष्य है। आम आदमी की थाने में ही बेहतर सुनवाई हो और उसकी समस्या पर कार्वाई हो उसे अधिकारियों के पास बेवजह चक्कर न काटना पड़े यह भी सुनिश्चित कराया जाएगा। बताया कि भू माफिया और जमीन के धंधों में शामिल लोगों के विरुद्ध अब और सख्त कार्रवाई की जायेगी। एसएसपी के मुताबिक मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान को अब और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा नशा मुक्त ड्रग्स फ्री देहरादून बनाना भी उनका लक्ष्य होगा। एसएसपी अजय सिंह पूर्व में देहरादून के सीओ सिटी, एसपी सिटी के पद पर भी तैनात रह चुके है।

चोरी की छह बाइक सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

चम्पावत। फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चुरायी गयी बाइक को उपयोग में लाने वाले दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी 6 बाइक भी बरामद की गयी है। आरोपी चुरायी गयी बाइकों को नेपाल ले जाकर बेचने की फिराक में थे।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना टनकपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ बाइक चोर चुरायी गयी बाइक सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को शारदा बैराज रोड मस्जिद तिराहे के पास दो बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। दोनो बाइकों पर लगी नम्बर प्लेट की जब ई चालान मशीन से जांच की गयी तो पता चला कि एक बाइक का रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट वैगनार कार की है तो दूसरे की दूसरी बाइक की है। इस पर पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो उन्होने उक्त दोनो बाइकें चोरी का होना कबूल करते हुए अपना नाम मो. आसिफ असांरी पुत्र अलीम अंसारी व अमन कुमार पुत्र कामता प्रसाद निवासी टनकपुर बताया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की गयी अन्य चार बाइक भी बरामद की है। आरोपियों के अनुसार वह इन सभी बाइकों को नेपाल ले जाकर बेचने की फिराक में थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।